



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

FROM PANCHAYAT TO PARLIAMENT, PUBLIC REPRESENTATIVES MUST PLAY AN ACTIVE ROLE IN VACCINATION: LOK SABHA SPEAKER/

पंचायत से लेकर दिल्ली की संसद तक जनप्रतिनिधि टीकाकरण में सक्रिय भूमिका निभाएं : लोक सभा अध्यक्ष

...

PEOPLE'S REPRESENTATIVES MUST MAKE PERSISTENT EFFORTS TO CLEAR MISCONCEPTIONS OR CONFUSIONS ABOUT THE VACCINE: LOK SABHA SPEAKER/

जनप्रतिनिधि वैक्सीन के बारे में व्याप्त भ्रांतियों और भ्रम को दूर करने के लिए प्रयास करें: लोक सभा अध्यक्ष

...

IN LAST TWO YEARS, MANY NEW INITIATIVES HAVE BEEN UNDERTAKEN IN LOK SABHA, WHICH HAVE IMPROVED PRODUCTIVITY AND QUALITY OF DISCUSSIONS: LOK SABHA SPEAKER/

पिछले दो वर्षों में लोक सभा में कई नई पहल की गयी हैं जिससे सदस्यों की सहभागिता बढ़ी है और चर्चा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER HOLDS DISCUSSIONS WITH PRESIDING OFFICERS OF STATE LEGISLATURES IN VIRTUAL MEETING OF ALL INDIA PRESIDING OFFICERS CONFERENCE/ लोक सभा अध्यक्ष ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों से विचार विमर्श किया।

...

New Delhi, June 22, 2021: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla held a virtual meeting of All India Presiding Officers Conference today and discussed the working of state legislatures with their Presiding Officers. On this occasion, he reminded the gathering that on 19 April 2021, he had similarly held an online meeting with Presiding Officers on the topic of role of public representatives during the COVID pandemic.

Speaking on the occasion, Shri Birla said that the Central Government has started free vaccination programmes across the nation for all persons above the age of 18 years, beginning with International Yoga Day on 21st June. He urged the Presiding Officers to sensitize the Members of all the democratic institutions in their states like the Vidhan Sabha, Vidhan Parishad, Panchayat, Municipality etc. to conduct public awareness campaigns about COVID-19 so that citizens can be protected against the pandemic. He also informed the Presiding Officers about the initiatives taken by the coaching institutes in Kota under which free coaching has been arranged for the children who lost their parents during COVID-19. Besides this initiative, he also mentioned about the arrangement of free accommodation for the children of families facing financial difficulties due to the pandemic.

Shri Birla stressed that public representatives should make persistent efforts to clear any misconceptions or confusions that the public may have about the vaccine.

Observing that in the last two years, many new initiatives have been undertaken in the Lok Sabha, Shri Birla said that it has been his endeavor to enable Hon'ble Members to participate in House proceedings more effectively and to improve the quality of discussions in the House. He said that in the first two years of the 17th Lok Sabha, the productivity of the House has been more than 122 percent. He added that changes have been in rules with respect to matters under Rule 377, due to which the Hon'ble Members now get answers to more than 90 percent of matters raised. He expressed happiness that answers to most of the issues raised during Zero Hour have started reaching the Hon'ble Members, due to which the issues relating to their constituencies have received positive results.

Shri Birla observed that conducting parliamentary sessions has been a major challenge during the time of the COVID-19. The fourth and fifth sessions of the 17th Lok Sabha were held amid the pandemic. He was happy to note that with the cooperation and commitment of the Hon'ble Members, the productivity of the House stood at 167 percent and 114 percent in these sessions too. Also, he thanked the Presiding Officers for setting up COVID Control Rooms in their respective Legislatures, which yielded positive results.

Shri Birla expressed satisfaction that a lot of progress has been made in the Parliament towards adopting digital media. Whereas earlier 40 percent of the questions were received through e-notices, now more than 90 percent of the questions are being received through e-notices. He said that it is a matter of satisfaction that Live proceedings in the Legislative Assemblies and Legislative Councils of all the States are now being telecast through social media and other digital means.

Shri Birla also noted that the Research Division of the Parliament has actively worked towards providing relevant information on policy matters and other topics to Members of Parliament in the form of online research, references, legislative and background notes. He further said that the Parliament Library has started home delivery of books for Hon'ble Members. Shri Birla said that emphasis is also being laid on the maintenance and study of historical debates in the Parliament so that their reference can be taken at appropriate times.

Shri Birla also reminded the gathering that the 80th Presiding Officers Conference was organized in Kevadia, Gujarat last year. Similarly, earlier in December, 2019, the 79th conference was held in Dehradun. He said that in the previous conferences certain decisions were taken by the Presiding Officers on various subjects; and Committees were formed for their comprehensive examination. Shri Birla said that once COVID-19 subsides, the reports of these Committees which are being finalised right now would be presented at a three-day Conference which would be organized after August 15 of this year.

31 Presiding Officers of state legislatures participated in this virtual meeting, who discussed several matters, including legislative response to tackle the menace of COVID-19.

नई दिल्ली , 22 जून 2021: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों की कांफ्रेंस की वर्चुअल बैठक की और राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों से विधानमंडलों के कार्यकरण पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर उन्होंने याद दिलाया कि गत 19 अप्रैल को भी कोविड महामारी में जनप्रतिनिधियों की भूमिका विषय पर उन्होंने उनसे ऑनलाइन संवाद किया था।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से केंद्र सरकार ने 18 वर्ष से ऊपर के सभी व्यक्तियों के लिए देश भर में निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम आरम्भ किया है। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों से आग्रह किया कि अपने राज्यों में सभी लोकतान्त्रिक संस्थाओं जैसे विधान सभा , विधान परिषद्, पंचायत, नगरपालिका इत्यादि के सदस्यों को प्रेरित करें कि वो समाज में जनजागरण अभियान के माध्यम से कोविड के विषय में जनजागरण अभियान चलाएं ताकि देश के सभी नागरिकों को कोविड के विरुद्ध सुरक्षा कवच मिल सके।

श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि वैक्सीन के बारे में जनता में जो भी भ्रांतियां या भ्रम हैं, उन्हें दूर करने के लिए जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को निरंतर प्रयास करना चाहिए। इससे देश के चहुमुंखी विकास की राह प्रशस्त होगी।

यह जिक्र करते हुए कि पिछले दो वर्षों में लोक सभा में कई नई पहल की गयी हैं, उन्होंने कहा कि उनका यह प्रयास रहा है कि माननीय सदस्य सभा की कार्यवाही में और अधिक प्रभावी तरीके से भाग ले सकें तथा सदन में चर्चा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि 17वीं लोक सभा के प्रथम 2 वर्षों में 5 सत्रों के दौरान सभा की उत्पादकता 122 प्रतिशत से अधिक रही है। साथ ही , नियम 377 के अधीन उठाए जाने वाले मामलों के सम्बन्ध में नए परिवर्तन किये गए हैं जिससे माननीय सदस्यों को अब 90 प्रतिशत से अधिक मामलों के उत्तर आने लगे हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि शून्य काल में उठाए गए अधिकतम मुद्दों के जवाब माननीय सदस्यों तक पहुंचने लगे हैं जिससे उनके क्षेत्रों के उठाए गए विषयों के सकारात्मक परिणाम निकलने लगे हैं।

श्री बिरला ने उल्लेख किया कि कोविड-19 के दौरान सत्रों का संचालन एक बड़ी चुनौती रहा है। इसी कारण लोक सभा का चौथा और पाँचवां सत्र कोविड महामारी की स्थिति के बीच आयोजित किया गया था। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि माननीय सदस्यों के सहयोग तथा प्रतिबद्धता के कारण सदन की उत्पादकता इन सत्रों में भी 167 प्रतिशत एवं 114 प्रतिशत रही। साथ ही , उन्होंने पीठासीन अधिकारियों का धन्यवाद किया कि उन्होंने अपने अपने विधान सभाओं में कोविड कण्ट्रोल रूम की स्थापना की जिसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

श्री बिरला ने संतोष व्यक्त किया कि संसद में डिजिटल माध्यम को अपनाने की दिशा में बहुत प्रगति की गई है। जहां पहले 40 प्रतिशत प्रश्न ई-नोटिस के माध्यम से प्राप्त होते थे, अब 90 प्रतिशत से भी मामले ई-नोटिस के माध्यम से प्राप्त होने

लगे हैं। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि सभी राज्यों की विधान सभाओं और विधान परिषदों में कार्यवाहियों का अब सोशल मीडिया या अन्य माध्यम से सीधा प्रसारण होने लगा है।

श्री बिरला ने यह भी बताया कि संसद के रिसर्च विभाग ने संसद सदस्यों को ऑनलाइन शोध, सन्दर्भ, विधायी और पृष्ठभूमि टिप्पण के रूप में नीतिगत मुद्दों और अन्य विषयों पर प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने में सक्रिय रूप से कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि संसद ग्रंथालय द्वारा सदस्यों के लिए पुस्तकों की होम डिलीवरी भी आरम्भ की है। उन्होंने बताया कि संसद में ऐतिहासिक डिबेट्स के रखरखाव और अध्ययन पर भी जोर दिया जा रहा है जिससे उपयुक्त अवसर पर उनका सन्दर्भ लिया जा सके।

इस अवसर पर श्री बिरला ने याद दिलाया कि केवड़िया , गुजरात में पीठासीन अधिकारियों का 80वां सम्मेलन पिछले वर्ष आयोजित किया गया था। इससे पूर्व दिसम्बर, 2019 में देहारादून में 79वां सम्मेलन हुआ था। उन्होंने कहा कि पिछले सम्मेलनों में विभिन्न विषयों पर पीठासीन अधिकारियों द्वारा कुछ निर्णय लिए गए थे और उनकी व्यापक परीक्षण के लिए समितियों का गठन किया गया था। इन समितियों की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोविड संक्रमण की रफ्तार कम होने के बाद 15 अगस्त के बाद एक तीन दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा जहां इन समितियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को कोटा में कोचिंग संस्थानों के संचालकों की उस पहल के बारे में भी बताया जिसके अंतर्गत कोविड-19 के दौरान अपने माता पिता को खोने वाले बच्चों के लिए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गयी है। साथ ही महामारी के दौरान आर्थिक परेशानी झेलने वाले परिवारों के बच्चों के लिए कोटा में निशुल्क आवास की व्यवस्था का भी उन्होंने जिक्र किया।

इस वर्चुअल बैठक में राज्य विधानमंडलों के 31 पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया और महामारी की रोकथाम के लिए विधायी प्रयासों की समीक्षा की।